भारतीय गैर न्यायिक

एक सौ रुपये   Rs. 100

रु. 100   ONE HUNDRED RUPEES

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

महाराष्ट्र MAHARASHTRA   2021   YV 197307

परि. पत्र-२

दस्ताचा प्रकार/अनुच्छेद क्रमांक	करारपत्र
दस्त नोंदणी करणार आहे का?	
नोंदणी होणार असल्यास दुय्यम निबंधक कार्यालयाचे नाव	PRINCIPAL Dr.Ghali College Gadhinglaj,Dist.Kolhapur
मिळकतीचे वर्णन	
मोबदला रक्कम	
मुद्रांक विकत घेणाऱ्याचे नाव	श्री मंगलकुमार रावसो पाटील, गडहिंग्लज
दुसऱ्या पक्षकाराचे नाव	-
हस्ते असल्यास त्याचे नाव व पत्ता	
मुद्रांक शुल्क रक्कम	100/-
मुद्रांक विक्री नोंद वही अनुक्रमांक/दिनांक	4269 दि 05/01/2022

श्री.संदिप शंकरराव कागवाडे (मुद्रांक विक्रेता) २६०६००९

मुद्रांक विक्री परवाना क्र. ३३/२००० तहसिलदार आजरा, गडहिंग्लज

PRINCIPAL
Dr.Ghali College
Gadhinglaj,Dist.Kolhapur

31 DEC 2021
SUB. TREASURY OFFICE
GADHINGLAJ

ज्या कारणासाठी ज्यांनी मुद्रांक खरेदी केला त्यांनी त्याच कारणासाठी मुद्रांक खरेदी केल्यापासून सहा महिन्यात वापरणे बंधनकारक आहे.

संदिप शंकरराव कागवाडे, मुद्रांक विक्रेता, गडहिंग्लज. प.क्र. 33/2000 ले.न. 2606009 जि. कोल्हापूर

सामंजस्य करार

भारत जैसे विशाल और बहुभाषी राष्ट्र को अपनी अस्मिता, राष्ट्रीय एकता और अंतर्प्रांतीय व्यवहार के लिये राष्ट्रभाषा कि नितांत आवश्यकता है। सदियों से हिंदी यह कार्य करती आयी है। विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर महाराष्ट्र में राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार प्रसार करनेवाला एक उल्लेखनीय कॉलेज है। इस कॉलेज द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी, कार्यशाला संयोजन के लिए बौध्दिक सहयोग दिया जाता है। भविष्य में व्याख्यानमाला सम्मेलन, परिसंवाद,वक्तृत्व, लेखन, पठन, कथन, मंचन आदि प्रतियोगितऔं के आयोजन का भी मानस है। अतः विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापूर और

Scanned with CamScanner

डॉ. घाळी कॉलेज, गडहिंग्लज के बीच दिनांक ३० मई २०२२ को पांच सालों(सन २०२२ से २०२५) के लिए समन्वय सामंजस्य करार हो रहा है। इस अनुबंध का उद्देश निम्नानुसार स्पष्ट किया गया है।

क) नीति :

1. हिंदी भाषा साहित्य और संस्कृति का संवर्धन करना। राष्ट्रभाषा हिंदी को अधिकाधिक प्रसारित करना, जिससे राष्ट्रभाषा का स्वरूप सर्वसमावेश हो।
2. राष्ट्रभाषा हिंदी का विकास देश कि प्रादेशिक भाषाओं में संपर्क और उनके विकास के साथ संपन होता रहे।
3. अहिंदी भाषी क्षेत्र में हिंदी को प्रसारित कर राष्ट्रभाषा हिंदी के महत्त्व को स्थापित करना।
4. राष्ट्रभाषा हिंदी के द्वारा राष्ट्रीय एकात्मता निर्माण हो।

ख) उद्देश्य

1. राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रचार करना तथा भारतीय संविधान के 17 वे भाग के 343 वी पारा में निर्देशित राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी के प्रसार और विकास में सहायता प्रदान करना।
2. राजभाषा हिंदी की पढाई का प्रचार करना।
3. भारत में प्रचलित सभी भाषाओं, विशेष रूप में मराठी भाषा के द्वारा हिंदी के विकास में सहायता प्रदान करने का प्रयास करना तथा भारत में प्रचलित सभी भाषाओं का हिंदी के साथ पारस्परिक संबंध के लिए मराठी आदि भाषाओं की पढाई का प्रावधान करना। उनके माध्यम से सभी पोषक प्रवृतियों को चलाना तथा राष्ट्रीय एकात्मता को पुष्ट करना।

ग) कार्यक्रम :

1. 14 सितंबर हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान एवं विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन
2. राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन
3. हिंदीमिमुख कार्यशाला का आयोजन
4. 10 जनवरी विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान का आयोजन

घ) नियम :

1. स्वखर्च से एक दुसरे का सहयोग देना
2. समन्वय अनुबंध की बातों का आवश्यकतानुसार नूतनीकरण करना।
3. पूर्व लिखित सूचना के साथ दोनो में से किसी भी संस्था को अनुबंध समाप्ति का अधिकार रहेगा।
4. परस्पर सम्मती से निर्धारित का२ लावधि के बाद फिर से पाँच सालों के लिए यह समन्वय अनुबंध जारी रखा जा सकता है। इसके लिए निश्चित तारीख तथा लिखित अनुमती की आवश्यकता रहेगी।

च) समन्वय :

१. प्रस्तुत समन्वय अनुबंध के जिम्मेदार विवेकानंद कॉलेज के प्राचार्य तथा विभागप्रमुख और डॉ.घाळी कॉलेज के प्राचार्य तथा विभाग प्रमुख रहेंगे।

२. प्रस्तुत समन्वय अनुबंध कानूनन प्रावधानों के साथ दो प्रतियों में कार्यान्वित हो रहा है। उपर्युक्त दिनांक और वर्णानुसार प्रस्तुत समन्वयक अनुबंध पर निम्नांकित समन्वयक अधिकारियों के हस्ताक्षर से अमल हो रहा है।

डॉ.आरिफ शौकत महात
हिंदी विभागाध्यक्ष,
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर

डॉ. सरीता बाबासाहेब बिडकर
हिंदी विभागाध्यक्ष,
डॉ.घाळी कॉलेज, गडहिंग्लज

डॉ.आर.आर.कुंभार
प्राचार्य
विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर

डॉ.मंगलकुमार पाटील
प्राचार्य
डॉ. घाळी कॉलेज, गडहिंग्लज

Principal
Dr. Ghali College
Gadhinglaj,Dist.Kolhapur

Scanned with CamScanner